रेल सुरक्षा: GRP प्रमुखों का सम्मेलन और रेलमदद

राजव्यवस्था / आंतरिक सुरक्षा | मुख्य परीक्षा | समाचार-विज्ञप्ति: 24 अक्टूबर 2026 | प्रकाशित: 24 अक्टूबर 2026

खबरों में क्यों

रेलवे सुरक्षा बल (RPF) द्वारा आयोजित सरकारी रेलवे पुलिस (GRP) प्रमुखों का आठवाँ अखिल भारतीय सम्मेलन 23 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली में संपन्न हुआ। रेल मंत्रालय ने 24 अक्टूबर को इसकी जानकारी दी। सम्मेलन में रेलमदद से शिकायत-निवारण, त्योहारों की भीड़ और विभिन्न पुलिस संगठनों के समन्वय पर चर्चा हुई।

प्रमुख तथ्य

- **आयोजन:** RPF की महानिदेशक सोनाली मिश्रा ने अध्यक्षता की। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार तथा राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों के GRP प्रमुख शामिल हुए।
- **रेलमदद:** रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र (CRIS) ने GRP कर्मियों को रेलमदद मंच से जोड़ा। उद्देश्य यात्री शिकायतों का निवारण, समय पर सूचना साझा करना और शिकायतों की निगरानी है।
- **पिंक पेट्रोल:** दक्षिण मध्य रेलवे की पहल में ड्रोन से निगरानी और SHAKTI व्यवस्था के तहत त्वरित प्रतिक्रिया दलों को जोड़ा गया है। यह महिला-नेतृत्व वाले सुरक्षा मॉडल का उदाहरण है।
- **प्रोजेक्ट दिशा:** मध्य रेलवे के पुणे मंडल की Dedicated Initiative for Safety, Harmony & Awareness पहल रेलवे पटरियों के पास रहने वाले बच्चों को शिक्षा, खेल और सुरक्षा-जागरूकता से जोड़ती है।
- **त्योहारी भीड़:** CCTV, सार्वजनिक घोषणाएँ, बैरिकेड, यात्रियों को रोककर व्यवस्थित ढंग से आगे भेजने के लिए निर्धारित स्थान और नियंत्रण कक्ष जैसे उपायों पर चर्चा हुई।

क्या अलग रखें

रेलमदद शिकायत-संबंधी मंच है। पिंक पेट्रोल निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया का मॉडल है; प्रोजेक्ट दिशा सामुदायिक जागरूकता की पहल है। सम्मेलन में किसी पहल पर चर्चा होना उसके देशभर में समान रूप से लागू हो जाने का प्रमाण नहीं है।

संदर्भ और विस्तृत व्याख्या

रेल-सुरक्षा ढाँचे में GRP और RPF की भूमिकाएँ अलग हैं — GRP राज्यों की पुलिस होती है जो यात्रियों और उनकी संपत्ति से जुड़े आपराधिक मामले देखती है, जबकि RPF रेलवे-संपत्ति की सुरक्षा और यात्री-सुविधा से जुड़े कानूनों का प्रवर्तन करता है; इसलिए दोनों के प्रमुखों का संयुक्त सम्मेलन समन्वय की दृष्टि से अर्थपूर्ण है। रेलमदद मंच यात्रियों की शिकायतें सीधे संबंधित विभाग तक पहुँचाने और उनकी निगरानी का डिजिटल माध्यम है; CRIS द्वारा GRP कर्मियों को इससे जोड़ना शिकायत-निवारण की गति बढ़ाने की दिशा में कदम है। पिंक पेट्रोल और SHAKTI जैसे मॉडल महिला-सुरक्षा को केंद्र में रखते हैं — ड्रोन-निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया दलों का संयोजन प्रतिक्रिया-समय घटाता है। प्रोजेक्ट दिशा सामुदायिक जागरूकता की पहल है, जो पटरी-किनारे बसे बच्चों को दुर्घटना-जोखिम से बचाने और शिक्षा-खेल से जोड़ने का प्रयास है। त्योहारी भीड़-प्रबंधन में बैरिकेडिंग, नियंत्रण कक्ष और यात्रियों को बैचों में आगे भेजने की विधि

PCSMANTRA.COM

भगदड़-जोखिम घटाती है। ध्यान रहे, सम्मेलन में चर्चा का अर्थ राष्ट्रव्यापी क्रियान्वयन नहीं है — ये विभिन्न रेलवे-क्षेत्रों की प्रायोगिक पहलें हैं।

स्रोत

PIB की आधिकारिक विज्ञप्ति, 24 अक्टूबर 2026

PCSMANTRA.COM